**सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के अधीन आवेदन पत्र**

मामले के स्थानान्तरण के लिए वादियों/आवेदकों का आवदेनपत्र

न्यायालय जिला न्यायाधीश ............

सिविल प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं. .............सन्..............

(सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के अधीन)

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

श्रीमान्

ऊपर नामित वादी/आवेदक निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है ।

1. यह कि वाद सं. .................... सन् . बनाम ..... विद्वान नगर न्यायालय की न्यायालय में लम्बित है और एक दूसरा वाद सं. ................ सन्........... बनाम ..........नगर सिविल न्यायालय.......... की न्यायालय में।
2. यह कि जब प्रस्तुत वाद की पुकार विद्वान सिटी सिविल न्यायालय के समक्ष करायी गयी तब वादियों/आवेदकों ने इस तथ्य को विद्वान न्यायाधीश की नोटिस में लाया कि एक दूसरा वाद उन्हीं पक्षकारों के बीच तथा एक ही वाद हेतुक को उद्भूत करने वाला एक ही नगर में एक दूसरे न्यायाधीश के समक्ष लम्बित था।
3. यह कि वादीगण / आवेदकों ने एक न्यायालय में दोनों वादों को स्थानान्तरित करवाने के लिए जिला न्यायालय ने मामले को निर्देशित करने के लिए विद्वान न्यायालय से अनुरोध करता है। लेकिन आश्चर्यजनक ढंग से अपर्याप्त विद्वान न्यायाधीश ने यह प्रेक्षण किया कि उसके समक्ष वाद में कोई सार तत्व नहीं था और वादियों/आवेदकों को उस वाद को वापस कर देना चाहिए।
4. यह कि परिस्थितियों में, कि विद्वान न्यायाधीश विद्वान न्यायाधीश से वादियों। प्रतिवादियों के विरुद्ध वाद का विनिश्चय करने का दिमाग पहले से बना लिया तो तालिम पतिवादियों ने विद्वान न्यायालय से न्याय की आशा नहीं करते यदि दोनों वादों का भी विचारण कथित न्यायाधीश द्वारा किया जाता है।
5. यह कि यह न्यायहित में समीचीन है कि नगर सिविल न्यायाधीश के समक्ष लम्बित वाद नगर सिविल न्यायालय ................. को स्थानान्तरित किया जा सकेगा जहां एक ही वाद हेतुक पर उन्हीं पक्षकारों के बीच ऊपर निर्दिष्ट किया गया दूसरा वाद, दोनों मामलों में एक निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण विचारण के लिए लम्बित है।

**प्रार्थना**

यह सादर प्रार्थना की जाती है कि "योर आनर" कि न्यायालय नगर सिविल न्यायाधीश......... की न्यायालय में लम्बित वाद सं. ...........बनाम............ को स्थानान्तरित करने की कृपा करे और न्यायालय नगर न्यायाधीश को स्थानान्तरित कर सकेगा।

**तारीख............**

**वादी जरिये**

**अधिवक्ता**

**आवेदन पत्र के समर्थन में शपथपत्र न्यायालय जिला न्यायाधीश**

न्यायालय जिला न्यायाधीश...............

शपथपत्र

इन

सिविल प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं. .................सन् ...........

(सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के अधीन)

**अबक**  ........(वादी)

बनाम

**कखग**  ......... (प्रतिवादी)

............................................................................................................................................उम्र वर्ष निवासी ................................................डाकखाना ...................................................का शपथपत्र

1. ऊपर नामित क ख शपथकर्ता निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से कथन करता है और प्रतिज्ञान करता है;
2. यह कि मैं ऊपर नोट किये गये वाद में वादियों में से एक हूँ और ऐसे रूप में अभिसाक्ष्य में दिये गये तथ्यों से पूर्णतया परिचित हूँ।
3. यह कि मुझको मामले के स्थानान्तरण के लिए साथ में दिये गये आवेदन पत्र तथा इस शपथपत्र की अन्तर्वस्तुओं को पढ़कर सुनाया गया है और स्पष्टीकरण दिया गया है और उसको पूर्णतया समझा जा चुका है।
4. यह कि दिये जा रहे आवेदनपत्र के पैरा 1 लगायत 4 तथा शपथपत्र के पैरा 1 एवं 2 की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में पूर्णतया सत्य है और साथ-साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र के पैरा 5 के वे सभी उस विधिक सलाहपर आधारित है जिसको मैं सत्य होने पर विश्वास करता हूँ। यह कि इस शपथपत्र का कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और कोई भी महत्वपूर्ण बात छिपायी नहीं गयी है।

...........में इस तारीख ................. को सत्यापित किया था।

**शपथकर्ता**